V. C. Sir @ AYUSH University GKP
yesterday at 9:31 am

काउंसलिंग बोर्ड के डॉक्टर सीबीआई के रडार पर होंगे

- जांच में सभी की भूमिका तय की जाएगी
- कर्मचारी, रिश्तेदार, दोस्त भी जांच के दायरे में होंगे

लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। फर्जी छात्रों को आयुर्वेद, यूनानी और होम्योपैथिक कॉलेजों में दाखिला दिलाने के खेल में शामिल अफसरों पर शिकंजा कस सकता है। सबसे ज्यादा मुश्किलें आयुर्वेद व यूनानी निदेशालय के अफसरों की बढ़ सकती हैं। क्योंकि 891 फर्जी दाखिलों में 50 से 60 फीसदी छात्र बीएएमएस व बीयूएमएस में हुए हैं।

चुनिंदा अफसर ही कराते थे काउंसलिंग

एडमिशन घोटाला उजागर होने के बाद आयुष काउंसलिंग की जिम्मेदारी निभा रहे अफसर-कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। शुरूआती जांच में पाया गया है कि जोर जुगाड़ के बूते वर्षो से चुनिंदा अधिकारी व कर्मचारी कांउसलिंग की प्रक्रिया पूरी करा रहे हैं ... में ... आशंका की शुरूआत यहीं से जाहिर की जा रही है। क्योंकि नीट मेरिट से लेकर शैक्षिक दस्तावेजों की जांच के काम काउंसलिंग बोर्ड के सदस्यों पर होती है। एजेंसी से मिलीभगत कर अधिकारी कर्मचारी फर्जी छात्रों को दाखिला दिलाने में कामयाब हुए हैं।

बोर्ड सदस्यों के करीबी पूछताछ के दायरे में

काउंसलिंग बोर्ड के सदस्य ही नहीं उनके करीबियों भी जांच के दायरे में आ सकते हैं। सीबीआई इन पर शिकंजा कस सकती है। आयुष अफसरों के दोस्तों से भी पूछताछ हो सकती है।